Veer Arjun

Windergy Inda 2017 delhi me safaltapurvak sampann

Date: 29/04/2017 | Edition: Delhi | Page: 11 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 16 H: 9

Clip: 1 of 1

विंडएर्जी इंडिया 2017 दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न

नई दिल्ली, (वासं)। विंडएर्जी इंडिया 2017 आज राजधानी में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी ''विंडएर्जी इंडिया 2017'' में पवन ऊर्जा उद्योग की उत्साही भागीदारी देखी गई। अपनी तरह की इस पहली प्रदर्शनी में 10 से अधिक देशों से आए 150 से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विंडएर्जी इंडिया के पहले संस्करण को पवन ऊर्जा उद्योग का प्रमुख मंच बनाने के मकसद से जानी मानी हस्तियों ने इसमें भाग लिया। इस मौके पर श्री सुमंत सिन्हा, चेयरमैन एवं सीईओ-रीन्यू पावर; श्री तुलसी आर तांती, सीएमडी, सुजलान ग्रुप; श्री रमेश कैमल, सीएमडी-गमेसा रीनुएबल्स प्रा लिमि; श्री मधुसूदन खेमका, एमडी-रीजेन पावर टैक प्रा लिमि और श्री सर्वेश कुमार, प्रेसीडेंट एवं सीओओ, आरआरबी एनर्जी लिमि तथा चेयरमैन, आईडब्ल्यूटीएमए; श्री चिंतन शाह, प्रेसीडेंट एसबीयू, सुजलान ग्रुप एवं वाइस चेयरमैन, आईडब्ल्यूटीएमए तथा जीडब्ल्यूईसी सेक्रेटरी जनरल श्री स्टीव सॉयर भी उपस्थित थे। प्रदर्शनी में दुनियाभर के पवन ऊर्जा उद्योग से जुडे दिग्गजों ने नवीनतम उत्पादों तथा सेवाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर 'इंडियन विंड एनर्जी आउटलुक' को भी जारी किया गया जिसे आईडब्ल्यूटीएमए तथा जीडब्ल्यूईसी और ग्लोबल विंड एनर्जी आउटलुक बाय जीडब्ल्यूईसी ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। इसे सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर जारी किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रेलवे मंत्री सुरेश प्रभु, ने कहा, ''देश में पवन ऊर्जा उद्योग का सफर शानदार रहा है और इसने पिछले कुछ दशकों में उल्लेखनीय मुकाम हासिल किए हैं। पवन उन प्रमुख उत्प्रेरकों में से है जिसने उद्योग से जुडे लोगों का काफी लाभ पहुंचाय है तथा इसकी वजह से ही रोजग़ार के अनेक अवसर उत्पन्न हुए हैं और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोहन जी के 'मेक इन इंडिया' के सपने को पूरा करने में भी योगदान करने वाला है। मुझे इस बात का भरपूर अहसास है कि इस उद्योग के सामने कई चुनौतियां है जिनमें इवेकुएशन (जगह खाली करना), निर्यात के लिए अवसर तथा पवन ऊर्जा को मुख्यधारा में लाना आदि प्रमुख है। भारतीय रेलवे हर लिहाज से नवीकरणीय ऊर्जा में योगदान करना चाहती है। इस संदर्भ में, रेल मंत्रालय ने एक मैक्रो एवं माइक्रो प्लान तैयार किया है जिसके लिए अधिकांश ऊर्जा का स्रोत पवन ऊर्जा होगी।'' इस सम्मेलन के आयोजकों में से एक श्री सर्वेश कुमार, प्रेसीडेंट एवं सीओओ-आरआरबी एनर्जी तथा चेयरमैन, आईडब्ल्यूटीएमए ने कहा, ''हम विंडएर्जी इंडिया 2017 को मिली उत्साही प्रतिक्रियाओं को देखकर बेहद प्रसन्न हैं। अब हम विंडएर्जी के अगले संस्करण के आयोजन को लेकर उत्साहित हैं।''अजय माथुर, डीजी - टेरी एव चेयरमैन, ऑर्गेनाइजिंग़ कमेटी - विंडएर्जी इंडिया 2017 ने कहा, ''इस प्रकार के आयोजन देश के पवन ऊर्जा क्षेत्र को ऊंचे मुकाम पर ले जाते हैं। मै इस आयोजन से जुडक़र खुश हूं।''